... सिर्फ सच का साथ

जनमुख

वाराणसी, गुरुवार, 27 नवम्बर-2025

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वाराणसी, लखनऊ, दिल्ली एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश व पश्चिमी बिहार में प्रसारित

● वर्ष -43 ● अंक 88 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य 2 रुपया

सेंसेक्स का नया रिकार्ड

पार किया 86000 का आंकड़ा, निफ्टी ने भी लगायी ऊंची छलांग

नई दिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की बढ़ती उम्मीद और विदेशी पूंजी प्रवाह के बीच अनुकूल वैश्विक रुझानों के बीच शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांकों में गुरुवार को शुरुआती कारोबार में पिछले दिन की तेजी जारी रही। निफ्टी भी अपने नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। वैश्विक व्यापार के बीच आयातकों की ओर से अमेरिकी मुद्रा की मांग बढ़ने से गुरुवार को शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले दो पैसे कमजोर होकर 89.24 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 400 अंक से ज्यादा चढ़कर 86,000 के ऊपर पहुंचा, जो इसका ऑल टाइम हाई रिकॉर्ड है। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 90.25 अंक बढ़कर 26,295.55 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले, व्यापक सूचकांक ने 27 सितंबर, 2024 को 26,277 के अपने रिकॉर्ड इंट्रा-डे उच्च स्तर को छुआ था। सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, एशियन पेंट्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा सर्वाधिक लाभ में रहीं। वहीं, इटर्नल, कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और मारुति पिछड़ने वालों में शामिल रहे।

एशियाई बाजारों में भी दिखी बढ़त

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक सकारात्मक क्षेत्र में कारोबार कर रहे थे। बुधवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।

फेड के ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों के चलते वैश्विक बाजार में मजबूती

ऑनलाइन ट्रेडिंग और वेल्थ टेक फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की बढ़ती उम्मीदों के चलते वैश्विक शेयर बाजारों में बढ़त जारी रही। एसएंडपी 500, डाउ जोंस और नैस्डैक सहित प्रमुख अमेरिकी सूचकांकों ने एक और मजबूत बढ़त दर्ज की, क्योंकि कमजोर ट्रेजरी यील्ड और नए नीतिगत आशावाद ने जोखिम उठाने की क्षमता को मजबूत किया। यह उत्साहजनक धारणा आज के वैश्विक व्यापार में भी दिखाई दी और एशियाई बाजार बढ़त के साथ खुले।

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 62.83 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.48 प्रतिशत गिरकर 62.83 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 4,778.03 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी पिछले कारोबार में 6,247.93 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। बुधवार को सेंसेक्स 1,022.50 अंक या 1.21 प्रतिशत बढ़कर 85,609.51 पर बंद हुआ। निफ्टी 320.50 अंक या 1.24 प्रतिशत बढ़कर 26,205.30 पर बंद हुआ।

● रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले दो पैसे कमजोर होकर 89.24 पर बंद हुआ

रूस-यूक्रेन बीच संभावित शांति समझौते से वैश्विक धारणा में सुधार

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी.के. विजयकुमार ने कहा कि फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और रूस-यूक्रेन के बीच संभावित शांति समझौते से वैश्विक स्तर पर इक्विटी बाजारों की धारणा में सुधार हुआ है।

SIR : सोनागाछी की वेश्याओं के लिए विशेष कैंप लगाएगा चुनाव आयोग

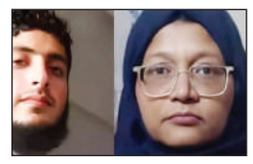

कोलकाता। मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जारी डर और आशंका के माहौल के बीच चुनाव आयोग ने बंगाल के सोनागाछी इलाके में रहने वाली महिलाओं के लिए एक विशेष कैंप लगाने का फैसला किया है। दरअसल सोनागाछी में रहने वाली कई महिलाओं के पहचान पत्र उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में विभिन्न संगठनों की मांग पर चुनाव आयोग ने इस इलाके के लोगों की चिंताओं को दूर करने के लिए खास कैंप लगाने का फैसला किया है। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग एसआईआर की प्रक्रिया करा रहा है, लेकिन सोनागाछी इलाके में रहने वाली महिलाएं, जो वेश्यावृत्ति के काम में लगी हैं, उनमें से कई के पास पहचान पत्र मौजूद नहीं हैं। इनके पास साल 2002 से अपने दस्तावेज देने में मुश्किल पेश आ रही है, जो एसआईआर की प्रक्रिया में बेहद जरूरी हैं।

मुजम्मिल गनई की दोस्त नहीं, बीवी है डा. शाहीन

● संविधान दिवस पर बोलीं राष्ट्रपति मुर्मु

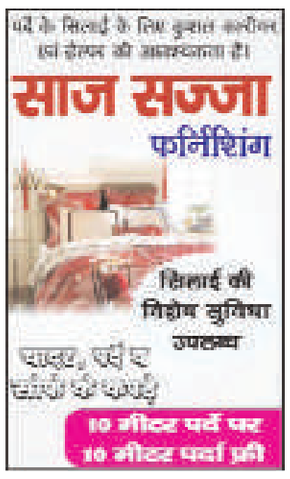

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में लाल किला के पास हुए आतंकी विस्फोट को लेकर अब तक कई बड़े खुलासे हो चुके हैं। अब आतंकी मुजम्मिल को लेकर एक हैरान करने वाला सच सामने आया है। डॉ. शाहीन मुजम्मिल अहमद गनई की गर्लफ्रेंड नहीं, बल्कि उसकी पत्नी है। मुजम्मिल ने कथित तौर पर दावा किया कि वे एक कपल थे और सितंबर 2023 में अल-फलाह यूनिवर्सिटी के पास एक मस्जिद में उनका 'निकाह' हुआ था। शरिया कानून के मुताबिक, निकाह के लिए 5,000-6,000 रुपये के 'मेहर' पर सहमति बनी थी। उमर व अदील पहले से एक-दूसरे को जानते थे, क्योंकि अदील, उमर का जूनियर था। मुजम्मिल, डॉ. शाहीन से प्यार करता था। मुजम्मिल की मुलाकात शाहीन से अल-फलाह यूनिवर्सिटी में ही हुई थी। मुजम्मिल व मुफ्ती इरफान की पहली मुलाकात जम्मू-कश्मीर में एक बुजुर्ग महिला का इलाज करने के दौरान एक घर में हुई थी। मुफ्ती इरफान आतंकी संगठन अंसार उल हिंद के एक आतंकी हाफिज त्राले के साथ पहले से जुड़ा था। 2021 में त्राले के मुठभेड़ में मारे जाने पर मुजम्मिल ने 2021 में अंसार गजवत उल हिंद आतंकी संगठन ज्वॉइन कर लिया था। 2022 में यह आतंकी संगठन निष्क्रिय हो गया था। जिसके बाद पहली बार पांचों ने फरवरी 2022 में श्रीनगर में बैठक की थी। वहीं से इस डॉ. मॉड्यूल का पहला चैप्टर शुरू हुआ था।

एसआईआर : अब शिक्षामित्रों को भी घर-घर जाकर करना होगा सर्वे

लखनऊ। प्रदेश में नव भारत साक्षरता कार्यक्रम 2025-26 के तहत अब 15 वर्ष से अधिक आयु के असाक्षर लोगों और वालंटियर्स का सर्वे परिषदीय विद्यालयों के शिक्षामित्र करेंगे। पहले यह काम शिक्षकों के जिम्मे था, लेकिन इस बार सरकार ने सर्वे की मुख्य जिम्मेदारी बदलते हुए शिक्षामित्रों को दी है। शिक्षामित्र अपने-अपने ग्राम पंचायतों में घर-घर जाकर असाक्षर व्यक्तियों की पहचान करेंगे, साथ ही ऐसे वालंटियर्स का चयन करेंगे जो साक्षरता अभियान से जुड़कर पढ़ने-लिखने में लोगों की मदद कर सकें। सर्वे की पूरी जानकारी वे अपने प्रधानाध्यापक को सौंपेंगे। यह सर्वे पहले की तरह एनआइएलपी सर्वे एप पर ही होगा।

मेडिकल कॉलेजों से जुड़े मामले में दिल्ली-यूपी समेत 10 राज्यों में छापा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ED) की देशभर में बड़ी कार्रवाई चल रही है। ईडी की टीम ने आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में 15 जगहों पर छापेमारी की है। दरअसल, यह कार्रवाई सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन द्वारा 30 जून को दर्ज की गई 225 ईंं के सिलसिले में की गई है। प्राथमिकी (Fir) में आरोप लगाया गया है कि मेडिकल कॉलेजों के निरीक्षण से जुड़ी गोपनीय जानकारी के बदले में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) सहित सरकारी अधिकारियों को रिश्वत दी गई थी।

कुछ भी हो जाए, बंगला खाली नहीं होगा

पटना। राबड़ी देवी दो दशकों से जिस सरकारी बंगले में रह रही हैं, उसे खाली नहीं करेंगी। पार्टी की बिहार इकाई के अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने यह बयान राज्य भवन निर्माण विभाग द्वारा राबड़ी देवी को विधान परिषद में विपक्ष की नेता के लिए निर्धारित आवास 39, हार्डिंग रोड में स्थानांतरित करने के निर्देश के एक दिन बाद दिया। मंडल ने घोषणा की कि मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास के सामने स्थित 10, सर्कुलर रोड स्थित बंगला, 'चाहे कुछ भी हो जाए, खाली नहीं किया जाएगा।'

प्रदूषण पर सुप्रीमकोर्ट सख्त

लगातार निगरानी का दिया निर्देश

● दायर याचिकाओं पर सुनवाई के मुकर्रर की गयी 3 दिसम्बर की तारीख

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बढ़ते वायु प्रदूषण के मुद्दे पर सख्त तेवर अपनाए। खराब वायु गुणवत्ता के मुद्दे पर दायर याचिकाओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए 3 दिसंबर की तारीख मुकर्रर कर दी। साथ ही कहा कि यह मुद्दा लगातार निगरानी की मांग करता है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने वरिष्ठ वकील अपराजिता सिंह की इस दलील पर ध्यान दिया कि दिल्ली-एनसीआर में बेहद गंभीर स्थिति बनी हुई है और यह स्वास्थ्य आपातकाल जैसे हालात है। सिंह इस मामले में न्यायालय की सहयोगी (एमिकस क्यूरी) के रूप में नियुक्त हैं। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, 'न्यायपालिका के पास कौन सी जादुई छड़ी है? हमें पता है कि दिल्ली-एनसीआर के लिए यह स्थिति खतरनाक है। समस्या सबको पता है, मुद्दा यह है कि समाधान क्या हैं। हमें इसकी वजहें पहचाननी होंगी और इसका हल तो विशेषज्ञ ही दे सकते हैं। हम आशा करते हैं कि लंबी अवधि तक प्रभावी समाधान खोजे जाएंगे।'

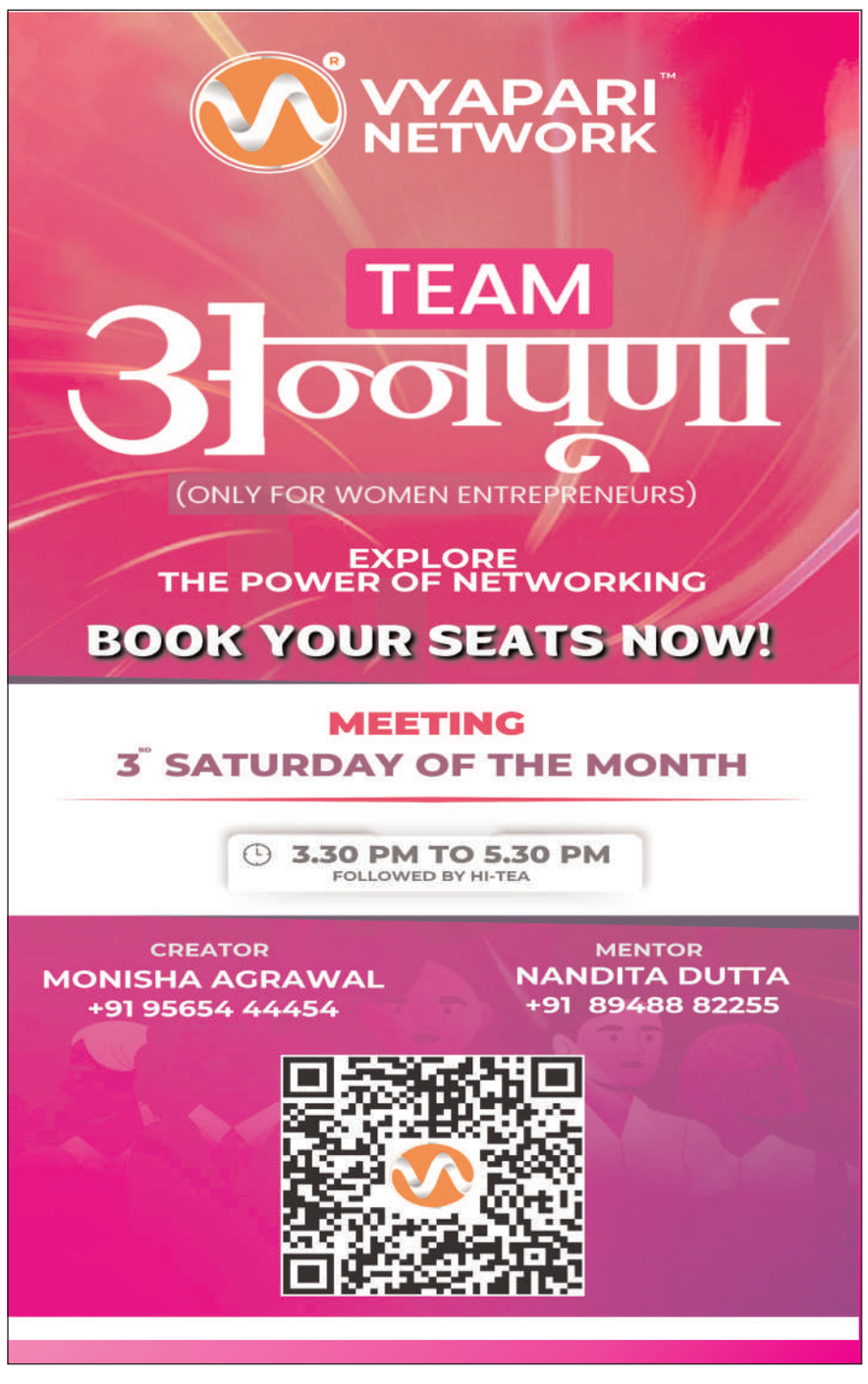

IAS के बयान पर भड़का आक्रोश

● 'ब्राह्मण अपनी बेटियां दान कर दें' वाली टिप्पणी को लेकर मध्य प्रदेश में उबाल

● राज्य सरकार ने जारी किया नोटिस, जवाब दाखिल करने के लिए सात दिन की मोहलत

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के आइएएस अधिकारी और अनुसूचित जाति-जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ (अजाक्स) के अध्यक्ष संतोष वर्मा ने बीते दिनों ब्राम्हण बेटियों को लेकर अभद्र टिप्पणी की। इसके बाद से संतोष वर्मा को लेकर आक्रोश जारी है। इस बीच मोहन सरकार ने गंभीरता से लेते हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इसे सिविल सेवा आचरण नियमावली का उल्लंघन माना है। उनसे सात दिनों में जवाब मांगा गया है। बता दें कि वर्मा ने अजाक्स के प्रांतीय अधिवेशन में यह कहा था कि आरक्षण समाप्त हो जाएगा, अगर ब्राह्मण अपनी बेटी दान करें। उनकी इस असभ्य, अमर्यादित टिप्पणी को लेकर प्रदेश भर में उबाल है। कई संगठनों ने अलग-अलग स्थानों पर प्रदर्शन कर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए थानों में आवेदन पत्र दिया है।

हांगकांग अग्निकांड में 55 की मौत, 300 लापता

हांगकांग। चीन के हांगकांग में रिहायशी इमारतों में लगी भीषण आग में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 55 हो गया है। हादसे में 300 लोग अभी भी लापता हैं। इमारतों में बुधवार में आग लगी थी जो कई घंटों के बाद अभी भी धधक रही है। हांगकांग के उपनगरीय इलाके ताई पो में ये घटना हुई। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, आग एक इमारत में लगी थी, लेकिन शाम तक वह सात इमारतों में फैल गई थी।

चीन में ट्रेन की चपेट में आने से 11की मौत, कई घायल

बीजिंग। चीन में एक ट्रेन ने परीक्षण के दौरान रेलवे कर्मचारियों के एक समूह को टक्कर मार दी, जिसमें 11 लोगों की मौत की खबर है। हादसे में दो लोग घायल भी हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रेन संख्या 55537 परीक्षण ट्रायल पर थी। इसी दौरान एक मोड़ पर उसने रेलवे ट्रैक पर मौजूद कर्मचारियों को टक्कर मार दी।

जनमुख हिन्दी दैनिक City लाइव

● तापमान अधिकतम : 28.3°C
● तापमान न्यूनतम : 13.0°C

● सूर्योदय : 06.10
● सूर्यास्त : 05.14

वाराणसी, 27 नवम्बर, गुरुवार, 2025 (3)

छाया : जनमुख डेस्क

जनमुख डेस्क

अधिकारियों को संविधान दिवस पर शपथ दिलाते जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार

BHU में नाराज छात्रों का प्रदर्शन

● बीपीएड और एमपीएड के छात्रों ने अनियमिता का आरोप लगाकर घेरा कुलपति आवास, बुलन्द किए नारे

वाराणसी। बीएचयू में बीपीईडी और एमपीईडी कोर्स के छात्रों ने बीएचयू के कुलपति आवास के बाहर गुरुवार की सुबह विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों का आरोप है कि हाल ही में आयोजित एनवीएस और ईएमआरएस सहित अन्य केंद्रीय भर्ती परीक्षाओं में उनके कोर्स को मान्यता नहीं दी गई है। छात्रों ने कहा कि यह स्थिति उनके भविष्य के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर रही है, जबकि उनका कोर्स एनसीटीई द्वारा अनुमोदित है। प्रदर्शन के दौरान, छात्रों का एक प्रतिनिधिमंडल भी कुलपति से मिला। कुलपति ने इस बाबत सभी को आश्वासन दिया कि वह इस मामले में उचित कार्रवाई करेंगे और संबंधित प्राधिकरणों को निर्देशित करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि दो छात्रों और दो अध्यापकों का एक प्रतिनिधिमंडल भेजा जाएगा, जो अपनी बात को प्रभावी ढंग से रखेगा। बीएचयू में बीपीईडी और एमपीईडी के 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने कुलपति आवास के बाहर धरना दिया। छात्रों ने नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि केंद्रीय भर्ती परीक्षाओं में उनके कोर्स को मान्यता न देना न केवल अनुचित है, बल्कि यह उनके भविष्य को भी प्रभावित कर रहा है। छात्रों ने कहा कि वे इस अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज उठाने के लिए मजबूर हैं। प्रदर्शन के दौरान, छात्रों ने एकजुटता दिखाई और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने का संकल्प लिया। कुलपति ने छात्रों की चिंताओं को गंभीरता से लिया और कहा कि वह इस मुद्दे को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने छात्रों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। बीपीईडी और एमपीईडी के छात्रों का यह आंदोलन परिसर में सुबह शुरू हुआ तो हड़कंप मच गया। आनन फानन मौके पर प्रशासनिक अधिकारी भी पहुंचे लेकिन छात्र धरना प्रदर्शन करते हुए अपनी मांगे रखे। छात्रों ने कहा कि वे अपने भविष्य के लिए लड़ाई जारी रखेंगे और किसी भी प्रकार के अन्याय को सहन नहीं करेंगे। प्रदर्शनकारी छात्रों के अनुसार, KVS/NVS के फार्म भरने में तकनीकी दिक्कतें और पात्रता संबंधी अस्पष्टता के कारण वे आवेदन करने में असमर्थ हैं। कई बार ईमेल और ट्वीट के माध्यम से शिकायत करने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिलने से वह आक्रोशित हैं। छात्रों ने बताया कि पिछले दो दिनों से रजिस्ट्रार कार्यालय में लगातार प्रयासों के बाद भी कोई समाधान नहीं मिला।

वाराणसी से जौनपुर जा रही सफारी खाई में गिरी, 3 की मौत

● लॉक हो गए कार के दरवाजे शीशे तोड़कर सबको बाहर निकाला गया

वाराणसी। वाराणसी से जौनपुर जा रही बारातियों से भरी सफारी कार 20 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 3 गंभीर रूप से घायल हैं। कार सवार वाराणसी से धर्मापुर शादी में शामिल होने जा रहे थे। मुफ्तीगंज बाजार के पास मोड़ पर कार बेकाबू हो गई। ड्राइवर ने कार को कंट्रोल करने के लिए ब्रेक तो मारी, लेकिन वह संभाल नहीं पाया। सफारी, हाईवे से सीधे खाई में जा गिरी। कार गिरते ही चीख-पुकार मच गई। आवाज सुनकर राहगीर दौड़े। लोग कार में फंसे थे, मदद को चिल्ला रहे थे। कार के दरवाजे ऑटोमैटिकली लॉक हो गए थे। शीशे तोड़कर सबको बाहर निकाला गया। अस्पताल में डॉक्टर्स ने 3 लोगों को मृत घोषित कर दिया। जबकि तीन की गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। गुरुवार को तीनों घायलों की हालत बिगड़ने पर वाराणसी रेफर कर दिया गया। मृतकों की पहचान वाराणसी कैंट के बबलू (45), श्यामलाल (35) और राजू सोनकर (45) के रूप में हुई है।

नेहा सिंह राठौर को ढूंढ रही पुलिस

● सपा नेता ने कसा तंज–नेहा चंबल की डकैत

वाराणसी। 'यूपी में का बा' गाने वाली फेमस सिंगर नेहा सिंह राठौर पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। उन्हें लखनऊ और वाराणसी पुलिस खोज रही है। हालांकि इस बीच नेहा अपने एक्स पर लगातार सक्रिय हैं। सपा नेता आईपी सिंह ने अपने अंदाज में यूपी पुलिस और सरकार पर निशाना साधा। कहा- लोक गायिका नेहा सिंह राठौर 1980 के दशक की चंबल की नामी डकैत हैं, जिन्हें यूपी की बहादुर पुलिस गिरफ्तार करने के लिए छापे पर छापे मार रही है।

कज्जाकपुरा आरओबी का नाम होगा बाबा लाटभैरव

वाराणसी। छह घंटे तक कार्यकारिणी समिति की बैठक में मेयर ने कई प्रस्तावों को स्वीकृति दी। इनमें 1 से 31 दिसंबर के बीच यदि कोई भवन स्वामी ग्रिड कनेक्टेड सोलर प्लांट लगवाएगा तो उसे एकमुश्त गृह कर जमा करने पर 10 प्रतिशत और ऑनलाइन जमा करने पर 12 प्रतिशत की छूट दी जाएगी और कज्जाकपुरा आरओबी बाबा लाट भैरव के नाम से जाना जाएगा। इस पर नगर निगम की कार्यकारिणी में मुहर लगा दी। मेयर अशोक कुमार तिवारी ने भी मंजूरी दे दी है।

कबीरचौरा में हृदय योजना ध्वस्त

● विभूतियों के स्मृति चिह्नों के निर्माण में बरती गयी घोर लापरवाही, घटिया सामग्री का किया गया इस्तेमाल

वाराणसी। वाराणसी। शहर की सांस्कृतिक धरोहरों को सुरक्षित करने के उद्देश्य से शुरू की गई हृदय योजना कबीरचौरा में पूरी तरह फेल साबित हो रही है। कला और संगीत की परंपरा का केंद्र माने जाने वाले इस इलाके में नगर निगम की उदासीनता ने हालात इतने खराब कर दिए हैं कि यहां की कई बुनियादी संरचनाएं जर्जर होकर गिरने की कगार पर हैं। सबसे विवादित मामला है विभूतियों का गेट। यह गेट स्थानीय कलाकारों और संत-परंपरा से जुड़े महापुरुषों की स्मृति में बनाया गया था, लेकिन इसकी निर्माण गुणवत्ता इतनी कमजोर निकली कि यह ध्वस्त हो गया। स्थानीय कलाकार इसे सांस्कृतिक अपमान बता रहे हैं। उनका कहना है कि यह गेट कबीर चौरा की पहचान था, जिसका गिरना हेरिटेज विकास कार्यों की असलियत उजागर करता है।

वाराणसी होकर गुजरे बादल

वाराणसी। अरब सागर की ओर से उठे हल्के बादलों का झोंका देर रात से सुबह तक पूर्वांचल से होकर गुजरा तो पारा भी न्यूनतम से एक डिग्री तक चढ़ गया। हालांकि इन बादलों में नमी नहीं थी और बादलों का झोंका गुरुवार को सुबह पूर्वांचल से होता हुआ उत्तर की ओर गुजर गया। इस दौरान पूर्वांचल में कुहासा सा छाया रहा और दिन चढ़ने तक मौसम का रुख थोड़ा बदली की ओर ही बना रहा। हालांकि सूरज की रोशनी का पर्याप्त असर सुबह नौ-दस बजे के बाद ही नजर आया। बाद में भी कई बार बादलों ने आसमान की घेरेबंदी की लेकिन फिर बाद में धूप भी निकल आयी।

दवामंडी में छापेमारी, मांगा गया कफ सीरप का स्टॉक, मेडिकल फर्मों में हड़कंप

वाराणसी। वाराणसी में पुलिस कमिश्नर की ओर से गठित एसआईटी ने दवा मंडी में छापेमारी की। SIT टीम के अध्यक्ष सरवणन टी के साथ पुलिस और औषधि विभाग की टीम सप्तसागर पहुंची। टीम ने पहुंचते ही दुकानों में कार्रवाई शुरू की तो हड़कंप मच गया। मंडी के विभिन्न फर्मों पर लाइसेंस, बिलिंग प्रणाली, दवाओं के भंडारण, एक्सपायरी दवाओं के रख-रखाव, तथा अवैध/प्रतिबंधित दवाओं की उपलब्धता आदि की विस्तृत जांच की तो व्यापारी बगले झांकने लगे। रजिस्टर मांगने पर कुछ पूरे तो कई आधे अधूरे नजर आए। हालांकि अभी कोई बड़ी खामी पुलिस के हाथ नहीं आई। निरीक्षण के दौरान दवा विक्रेताओं को उचित रिकॉर्ड संधारण, वैध लाइसेंस प्रदर्शित करने तथा सभी गतिविधियों को दवा नियंत्रण विभाग के नियमों के अनुरूप संचालित करने के निर्देश दिए गए। पुलिस द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया कि अवैध नशीली दवाओं की बिक्री या बिना बिल के लेन-देन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

वाराणसी में आशा कर्मियों का प्रदर्शन 15 दिसंबर से हड़ताल की चेतावनी दी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन के आह्वान पर वाराणसी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के बाहर 200 से अधिक आशा और संगिनी कर्मियों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। जिलेभर से पहुंची आशा कर्मियों ने सरकार की नीतियों और बकाया भुगतान न होने पर तीखी नाराज़गी जताई। प्रदर्शन के दौरान पुलिस बल मौजूद रहा, जबकि आशा कर्मी सीएमओ से मिलकर ज्ञापन देने की मांग पर अड़ी रहीं। उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन की प्रदेश उपाध्यक्ष संगीता गिरी ने कहा कि सरकार वर्षों से स्वास्थ्य अभियानों का मुख्य आधार रही आशा और संगिनी कर्मियों को 'मुफ़्त का गुलाम' समझती है। वर्ष 2025 के कई महीनों का आधार भुगतान,राज्य प्रदत्त,अनुतोष राशि,अनेक स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रोत्साहन राशि,राष्ट्रीय अभियानों में किए गए कार्यों का प्रतिफल लंबे समय से बकाया है, लेकिन हमारी कोई सुनवाई नहीं की गयी।

एसआईआर का काम समय से पहले पूरा किए जाने पर सम्मानित किए गए बीएलओ

● शत-प्रतिशत मतदाताओं को गणना प्रपत्र वित्तरण एवं शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य समय से पूर्व किया मुकम्मल

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार वर्तमान में गतिशील विधान सभा निर्वाचक नामवलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य में शत-प्रतिशत मतदाताओं को गणना प्रपत्र वित्तरण एवं शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य समय से पूर्व पूर्ण किये जाने पर बुधवार को जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी सत्येंद्र कुमार ने 384-पिण्डरा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के बूथ संख्या 92-प्राथमिक विद्यालय खटौरा के बूथ लेबल अधिकारी प्रवेश कुमार सिंह, 384-पिण्डरा के बूथ संख्या-164 संविलियन विद्यालय पिण्डराई की सीमा सिंह, 385- अजगरा (अ0जा0) बूथ संख्या-247 प्राथमिक विद्यालय सुल्तानीपुर (प्रथम) नीरज पाण्डेय, 385-अजगरा (अ0जा0) बूथ संख्या 365-प्राथमिक विद्यालय ढकवा प्रमोद कुमार शर्मा, 391-सेवापुरी 33 बूथ संख्या राजकीय हाईस्कूल ठठरा की मंजूलता मौर्या तथा 391-सेवापुरी बूथ संख्या 90 प्राथमिक विद्यालय भीषमपुर के अरूण कुमार सिंह को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नेत्र परीक्षण शिविर में 122 की जांच 48 मोतियाबिंद मरीजों को मुफ्त लेंस

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट एवं वाराणसी के प्रतिष्ठित आर. जे. शंकरा आई हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन बुधवार को आशा ट्रस्ट के भन्दहां कला, कैथी केंद्र पर किया गया। शिविर में कुल 122 लोगों ने नेत्र परीक्षण कराया जिसमे से चिन्हित 48 मोतियाबिंद के मरीजों को मुफ्त ऑपरेशन, लेंस और चश्मा की सुविधा दी जायेगी। अस्पताल में आवश्यक जांच के उपरान्त बृहस्पतिवार को ऑपरेशन किया जाएगा। सभी मरीजों को वापस शुक्रवार को अस्पताल की बस द्वारा वापस आशा केंद्र पर पहुंचा दिया जाएगा। नेत्र परीक्षण शिविर में आर जे अस्पताल की टीम में सामुदायिक आउटरीच टीम के गणेश, अभय, रिषभ, स्वीटी, सुदीक्षा और रेणु ने नेत्र परीक्षण किया।

संविधान दिवस पर डीएम ने दिलाई शपथ

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आज 26 नवम्बर को ङसंविधान दिवसङ के रूप में मनाया गया। संविधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना का वाचन कर शपथ दिलायी गयी। जिलाधिकारी ने संविधान दिवस के अवसर पर सभी जनपद वासियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संविधान के उद्देशिका में निहित मूल्यों की स्थापना करना सभी अधिकारियों का प्राथमिक उद्देश्य होना चाहिये। उन्होंने सभी को प्रस्तावना में निहित मूल्यों के अनुसार आचरण का अनुपालन करने का सुझाव दिया।

काशी और तमिल संस्कृति का अनोखा संगम

● नमोघाट पर इंस्टॉलेशन आर्ट प्रतियोगिता का आयोजन

वाराणसी (जनमुख डेस्क)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत काशी तमिल संगमम-4 का आयोजन 2 दिसंबर से वाराणसी में होने जा रहा है। यह पूरा आयोजन शिक्षा मंत्रालय की देखरेख में हो रहा है। वाराणसी में इस आयोजन की मेजबानी काशी हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा हो रहा आयोजन से पहले तमाम आयोग प्रोग्राम के तहत लोगों को इस कार्यक्रम से जोड़ा जा रहा। इसी क्रम में नमो घाट के पावन तट पर 'इंस्टॉलेशन आर्ट प्रतियोगिता–2025' का भव्य आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य काशी और तमिलनाडु की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उत्सव मनाना था। 'Celebrating the Cultures of Kashi and Tamil Nadu' थीम पर आधारित इस प्रतियोगिता में ॅप्ळ सहित अन्य कालेज के 70 से अधिक स्टूडेंट्स ने प्रतिभाग किया है। प्रतियोगिता सुबह 10 बजे आरंभ होकर शाम 5 बजे तक चली, जिसमें प्रतिभागियों ने व्यक्तिगत तथा समूह दोनों रूपों में भाग लिया। इस प्रतियोगिता में 70 से ज्यादा छात्र एवं छात्राओं ने उत्सापूर्वक प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता के दौरान सभी प्रतिभागियों ने 5 समूहों में कार्य किया जोकि निम्निलिखित है- महादेव, फाइफ स्टार, पंचभौतिकी, टीम 4.0, सैवन स्पार्क रखा गया था। इस आयोजन में प्रस्तुत इंस्टॉलेशन आर्ट कृतियों में मंदिर स्थापत्य, द्रविड़ एवं नागर शैली की झलक, काशी की गलियों की जीवंतता, काशी विश्वनाथ मंदिर के आध्यात्मिक दृश्यों, नटराज की गतिमय आकृति तथा तमिलनाडु के पारंपरिक नृत्य-संगीत तत्वों को दर्शाया गया। कलाकारों ने लकड़ी, मिट्टी, कपड़े, धातु, लालटेन, जूट और पुनर्चक्रित सामग्री का उपयोग करते हुए सांस्कृतिक एकता और परंपराओं के गहरे संबंध को रचनात्मक रूप से व्यक्त किया।

जनमुख परामर्श मंडल : एस. कुमार राष्ट्रीय अध्यक्ष सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया, संतोष अग्रवाल हरे कृष्ण ज्वैलर्स सभापति, श्री काशी अग्रवाल समाज, श्रीनारायण खेमका, अध्यक्ष : अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन, वी.के.जैन, अध्यक्ष-जैन मिलन, वाराणसी, डा. एस.के.पाठक वरिष्ठ चिकित्सक, डा. नीलम ओहरी स्त्री रोग विशेषज्ञ, प्रधान सम्पादक ब्रजेश कुमार राय 'शर्मा', समाचार सम्पादक सरोज सिन्हा, स्वात्वाधिकारी व स्वामी ब्रजेश कुमार राय 'शर्मा' द्वारा 'गिरीश प्रिंटिंग प्रेस से मुद्रित एवं कार्यालय बी 3/1 काशीराज अपार्टमेंट नदेसर 221002 वाराणसी से प्रकाशित एवं प्रसारित। रजि.33134/78. फोन : 0542-2500324 9336929544, Email : janmukh.vns@gmail.com

सोनभद्र समाचार

घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों के वितरण, एकत्रीकरण एवं उनके डिजिटाइजेशन की कार्यवाही की जाये पूर्ण

सोनभद्र। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बी0एन0 सिंह ने अवगत कराया है विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण एस0आई0आर0 की विभिन्न गतिविधियां/कार्यकम गतिमान है। 04 नवम्बर,2025 से 04 दिसम्बर, 2025 तक बी0एल0ओ0 को मतदाताओं को घर-घर जाकर के गणना प्रपत्रों के वितरण, एकत्रीकरण एवं उनके डिजिटाइजेशन की कार्यवाही पूर्ण की जानी हैं। बी0एल0ओ0 द्वारा मतदाताओं को दो प्रतियों में गणना प्रपत्र उपलब्ध कराने के उपरान्त उनके एकत्रीकरण एवं डिजिटाइजेशन की कार्यवाही की जा रही है। जनपद के समस्त सम्भ्रान्त नागरिको, बुद्धिजीवियों से अपील की जाती है कि प्राप्त गणना प्रपत्र को भर करके बी0एल0ओ0 को उपलब्ध करा दें। गणना प्रपत्र में मतदाता अपने नाम से सम्बन्धित अपेक्षित जानकारी लिखते हुए बी0एल0ओ को उपलब्ध करा दे। उक्त गणना प्रपत्र में किसी भी प्रकार के डाक्यूमेन्ट लगाने की कोई आवश्यकता नही है।

मऊ समाचार

फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव

घोसी। कोतवाली क्षेत्र के माछिल जमीन माछिल गांव में बुधवार सुबह 10 बजे रिंकी गुप्ता (24) का शव फंदे से लटकता मिला। परिजनों ने फंदे से उतारकर प्राथमिक उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोसी ले गए, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर अस्पाल पहुंचे विवाहिता के भाई संतोष गुप्त ने बोला कि जीजा और उसके परिजनों पर हत्या कर शव लटका दिया है। रामपुर थाना क्षेत्र के शेखपुर गांव निवासी रिंकी गुप्ता (24) की शादी चार साल पहले पहले हुई थी। शादी के पति-पत्नी में संबंध अच्छे चल रहे थे, कि अचानक बुधवार की सुबह 10 बजे के रिंकी गुप्ता का शव उनके कमरे में फंदे से लटका मिला। रिंकी की दो बेटियां अनन्या (2) और सान्या (3) हैं।

भदोही समाचार

यातायात नियमों का उल्लंघनः 365 वाहनों का चालान

भदोही। पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान कुल 365 वाहनों का चालान किया गया और वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस अधीक्षक भदोही अभिमन्यु मांगलिक के निर्देश पर, अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के निकट पर्यवेक्षण में तथा क्षेत्राधिकारी यातायात राजीव सिंह के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। यातायात प्रभारी अनिल सिंह ने पर्याप्त पुलिस बल के साथ विभिन्न चौराहों पर चेकिंग की। अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना था। चेकिंग के दौरान बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, ब्लैक फिल्म लगी गाड़ियों, फॉल्टी नंबर प्लेट या बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों पर विशेष ध्यान दिया गया। कुल 340 दोपहिया और 25 चार पहिया वाहनों सहित 365 वाहनों का चालान किया गया।

चालकों को यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित रहने के लिए जागरूक किया गया। उन्हें बताया गया कि दोपहिया वाहन चालक हेलमेट अवश्य पहनें, तीन सवारी न बैठाएं और शराब पीकर गाड़ी न चलाएं।

चार पहिया वाहन चालकों और सवारियों को सीट बेल्ट का प्रयोग करने की सलाह दी गई। इसके अतिरिक्त, नियंत्रित गति से वाहन चलाने, ओवर स्पीडिंग से बचने, अपनी लेन में चलने और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन या ईयरफोन का उपयोग न करने के निर्देश दिए गए। ब्लैक फिल्म, हूटर, मोडिफाइड सायलेंसर या मानक के विपरीत तीव्र ध्वनि वाले हॉर्न का प्रयोग न करने की भी हिदायत दी गई।

देवरिया समाचार

बच्चों के साथ डीएम ने भी देखा चांद और शनि ग्रह

देवरिया। राजकीय इंटर कॉलेज में बुधवार को तीसरे दिन भी बच्चों ने टेलिस्कोप से चांद और शनि ग्रह का अध्ययन किया। मुंबई के नेहरु नक्षत्रशाला से आए एस. नटराजन ने बच्चों को ग्रह नक्षत्रों के बारे में जानकारी दी। जीआईसी में केंद्रीय विद्यालय, राजकीय कस्तूरबा इंटर कालेज समेत विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने टेलिस्कोप से ग्रह नक्षत्रों को देखा।

खगोलविद एस. नटराजन ने उन्हें अंतरिक्ष के बारे में विशेष जानकारी दी। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल भी जीआईसी पहुंची और अपनी जिज्ञासा खगोलविद के सामने रखीं। उनकी बेटियां और पति ने ग्रह नक्षत्रों का अध्ययन किया। उनके प्रश्नों का खगोलविद ने उत्तर दिया। इस अवसर पर सह जिला विद्यालय निरीक्षक नीलेश पांडेय, शिक्षक डीके मौर्य आदि उपस्थित रहे।

जौनपुर समाचार

आधी रात को फोन कर घर से बुलाया, फिर युवक को मारी गोली, हालत नाजुक

जौनपुर। जिले के मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मुजार में टेंट हाउस संचालक के भतीजे धीरज यादव (22) को बुधवार की रात गोली मार दी गई। बदमाशों ने फोन कर घर से बुलाने के बाद वारदात को अंजाम दिया। घायल की हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने वाराणसी के लिए रेफर कर दिया है। जहां हालत नाजुक बनी हुई है। देवरिया निवासी राजेंद्र यादव का भतीजा धीरज मुंबई में काम करता है। घर में आयोजित शादी में शामिल होने के लिए इन दिनों आया हुआ है। परिजनों के मुताबिक रात में फोन आया, जिसके बाद घर से वह निकला। उधर, मुजार में बदमाशों ने उसे गोली मार दी। एसएसपी ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि धीरज को सिकरारा निवासी राजा पासी और कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा गोली मारने की सूचना प्राप्त हुई थी, सूचना पर तत्काल थाना पुलिस पहुंच गई। घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया। जहां से बेहतर इलाज के लिए बीएचयू वाराणसी रेफर कर दिया गया है।

गाजीपुर समाचार

बीएलओ पर लगाया लापरवाही का आरोप

गाजीपुर। निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य के तहत बुधवार को उप जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेश कुमार संग मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक निर्वाचन कार्यालय में हुई। बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की ओर से कई बीएलओ की शिकायत की गई। किसी बीएलओ पर फॉर्म सही ढंग से न भरने तो किसी के ओर से फॉर्म का वितरण नहीं करने का गंभीर आरोप लगाया गया। बैठक में शिकायत की गई कि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र - 375 गाजीपुर के बूथ संख्या-196 पर तैनात बीएलओ की ओर से गलत फॉर्म भरा जा रहा था, जिसे ठीक कराया गया। बूथ संख्या-195 के बीएलओ की ओर से सभी फार्मों का वितरण नहीं किया गया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेश कुमार ने सभी उप जिलाधिकारी/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को निर्देशित किया।

सुल्तानपुर समाचार

अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में चार की मौत

भदैंया। शिवगढ़ के कंधईपुर गांव के पास मंगलवार रात बाइक सवार हरिहरपुर निवासी प्राइवेट कर्मी संतराम वर्मा (30) को पीछे से कार ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों की मदद से उन्हें मेडिकल कॉलेज सुल्तानपुर पहुंचाया गया, जहां पर चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, संतराम ने हेलमेट नहीं पहना था। उनके सिर में गंभीर चोट लगी। दुर्घटना के बाद कार लेकर चालक भाग निकला। मेडिकल कॉलेज पहुंचे संतराम के परिजनों ने बताया कि वह गुजरात में एक प्राइवेट कंपनी में काम करते थे। कुछ दिन पहले घर आए थे। मंगलवार देर शाम वे घर से बाइक से दुर्गापुर में एक रिश्तेदारी में आयोजित वैवाहिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए निकले थे। तीन भाइयों में संतराम सबसे बड़े थे। वह अविवाहित थे। उनके पिता सोमनाथ वर्मा गांव में खेती करते हैं। संतराम की मौत से परिवार में चीख-पुकार मची है। शिवगढ़ थानाध्यक्ष चंद्रभान वर्मा ने बताया कि दुर्घटना किस वाहन से हुई, इसके बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है। क्षतिग्रस्त बाइक को सुरक्षित स्थान पर रखवाया गया है। हलियापुर के पूरे बेनी दीन का पुरवा मुकुंदपुर के पास बुधवार दोपहर एक बजे एक बेकाबू ट्रक ने आगे जा रहे पिकअप को टक्कर मार दी। पिकअप की चपेट में आने से बाइक सवार हसुई मुकुंदपुर निवासी बद्री विशाल मिश्र (25) गंभीर रूप से घायल हो गए। कुमारगंज पिठला अस्पताल से मेडिकल कॉलेज दर्शन नगर, अयोध्या रेफर कर दिया गया। हलियापुर थानाध्यक्ष तरुण पटेल ने बताया कि पिकअप खाई में गिर गई थी। माधवपुर छतौना निवासी भारत यादव (70) सोमवार की शाम गांव के पास लखनऊ-बलिया राजमार्ग पर सड़क पार करते समय एक तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन - फानन में स्थानीय लोगों ने उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पर बुधवार सुबह उनकी मौत हो गई। जानकारी मिलते ही घर में कोहराम मच गया। उपनिरीक्षक हरीश कुमार सिंह चौहान ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

आजमगढ़ समाचार

चार दिसंबर तक गणना कार्य में लगे कर्मचारियों का अवकाश निरस्त

आजमगढ़। अपर जिलाधिकारी प्रशासन/उप जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल विश्वकर्मा ने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चार नवंबर से चार दिसंबर तक निर्वाचक नामावली में शामिल कर्मचारियों की छुट्टियां निरस्त कर दी गई हैं। लगभग तीन सप्ताह पूर्ण होने को है और जिले में अभी तक 42 प्रतिशत कार्य ही पूर्ण हुआ है। इस कार्य को समय से पूर्ण कराने के लिए मतदाताओं से गणना प्रपत्र संकलित करने और बीएलओ ऐप के माध्यम से डिजिटाइजेशन किए जाने संबंधी कार्य में तैनात किए गए सभी कर्मचारी और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, डिजिटाइजेशन कार्य में लगे इंजीनियर, बीएलओ, सुपरवाइजर, एडीओ पंचायत, रोजगार सेवक, पंचायत सचिव, सफाईकर्मी आदि चार दिसंबर तक किसी भी प्रकार की अवकाश में नही रहेंगे।

प्रयागराज समाचार

डीआईजी रेलवे ने प्रयागराज जंक्शन का किया दौरा, माघ मेले की तैयारियों का लिया जायजा

प्रयागराज। डीआईजी रेलवे ने कहा कि देश भर से संगम स्नान करने आने वाले यात्रियों की यात्रा सुगम और सुरक्षित हो इसके लिए जीआरपी ने तैयारी कर ली है। पिछले महाकुंभ के अनुभवों के साथ तैयारी जा रही है। जरूरत बड़ी तो बाहर से भी फोर्स मंगाई जाएगी। जो बाहर से फोर्स आएगी उसको इस बात का प्रशिक्षण दिया जाएगा कि श्रद्धालुओं के साथ कैसे बातचीत करना है। इसके बाद ही उनकी तैनाती जरूरत के अनुसार की जाएगी। कहा कि जंक्शन के बाहर होल्डिंग एरिया बनाया जाएगा। जिस रूट की गाड़ी स्टेशन पर आएगी उससे संबंधित यात्रियों को जंक्शन के अंदर प्रवेश दिया जाएगा। माघ मेले के मद्देनजर तैयारियों का जायजा लेने के लिए प्रयागराज जंक्शन पहुंचे जीआरपी के डीआईजी प्रकाश डी ने पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि माघ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकाश समस्या का सामना रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों में नहीं करना पड़ेगा।

माघ मेले में पूरे देश से श्रद्धालु संगम स्नान करने के लिए आते हैं। उनकी यात्रा सुगम और सुरक्षित हो इसके लिए रेलवे ने पूरी तैयारी की है। प्रयागराज में जो भी स्टेशन हैं वहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होगी।

चंदौली समाचार

शार्ट सर्किट से मड़ई में लगी आग, बालिका झुलसी, दो मवेशी की मौत

शहाबगंज। स्थानीय थाना के केराडीह गांव में बुधवार की शाम बबलू चौहान की मड़ई में शार्ट सर्किट से आग लग गई। गांव के लोगों ने अथक प्रयास कर आग बुझाई। इस दौरान आग से बबलू चौहान की तीन वर्षीय बेटी झुलस गई। मड़ई में बंधी एक गाय, एक बकरी की मौत हो गई, जबकि एक बकरी गंभीर है। इसके साथ ही गृहस्थी का सामान जल गया। गांव निवासी बबलू चौहान खेती कर जीविकोपार्जन करता है। उसने पक्का मकान के बगल में मड़इ बना रखी है। इसमें मवेशियों को बांधने के साथ ही घर गृहस्थी का सामान रखा रहता है। अक्सर इसमें लोग रहते भी है। बुधवार की शाम बबलू के परिवार के कुछ सदस्य मड़ई में बैठ कर कुछ काम कर रहे थे। इस बीच बिजली के शार्ट सर्किट से मड़ई में आग लग गई। जब तक परिवार के लोग कुछ समझते आग ने विकराल रूप ले लिया।

मीरजापुर समाचार

जिलाधिकारी ने किसान दिवस में आए कृषको की सुनी समस्याएं, सम्बन्धित अधिकारियों को निस्तारण का दिया निर्देश

मीरजापुर। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में विकास भवन, के आडिटोरियम में किसान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद के विकास खण्डों से आये हुए कृषकों के साथ–साथ कृषि, पशुपालन, उद्यान, सहकारिता, विद्युत, सिंचाई सहित कृषि एवं कृषि से सम्बन्धित अन्य विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। उप कृषि निदेशक विकेश कुमार द्वारा किसान दिवस से सम्बन्धित पिछली कार्यवाही को पढ़कर सुनाया गया तथा उपस्थित किसानों की समस्याओं के समाधान के बारे में भी बताया गया। श्री श्याम लाल मौर्य, तहसील अध्यक्ष, मीरजापुर द्वारा अवगत कराया गया कि लोहंदी कला पंचतला होटल के ठीक सामने से निकली सड़क पर नल, जल विभाग का पाइप फट जाने से सड़क पर चलना मुश्किल हो गया है। ग्रामसभा– राजापुर विकास खण्ड– लालगंज में राजापुर माइनर दुक्खी बिन्द के सामने से निकली नाली फूलचन्द के खेत तक नाली की खोदाई कच्ची बनवा दिया तो भराई के लिए किसान को परेशानी नहीं होगी और नाली टेल तक पहुंच जायेगा। श्री राम श्रृंगार सिंह, पूर्वांचल सदस्य, भा0कि0यू0, मीरजापुर द्वारा अवगत कराया गया है कि ग्रामसभा महुली में 63 केवी का ट्रांसफार्मर लगा है जो लो वोल्टेज की समस्या है जिस कारण कृषि कार्य पानी की 3 एचपी की मोटर नहीं चल पा रही है। 100 केवी का ट्रासफार्मर व ट्रांसफार्मर से निकली पुरानी तार को बदला जाए। श्री धर्मदेव उपाध्याय, जिलाध्यक्ष भा0कि0यू0 (लोकशक्ति) मीरजापुर द्वारा अवगत कराया गया कि ग्राम पचेवरा स्थित चौरा देवी माता मंदिर पर जाने वाले सम्पर्क मार्ग जो कैलहट, जलालपुर माफी मार्ग पर हनुमान गढ़ी पचेवरा पूरब की ओर रेलवे लाईन के पूर्वीभाग में राष्ट्रीय राजमार्ग 7 तक जिसमें मुसहर बस्ती एंव सर्फा कर्मिकों के आवासों से होकर गुजरता है। विगत माह में भी इस सम्पर्क मार्ग को पक्का करने का अनुरोध किया गया था।

बलिया समाचार

चार दिसंबर तक मतदाताओं को जमा करना होगा फॉर्म

बलिया। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, हटाने या संशोधन कराने के लिए जल्द फॉर्म भरकर जमा कर दें। इसकी अंतिम तिथि चार दिसंबर निर्धारित है। निर्वाचन आयोग का आदेश है कि समय से फॉर्म भरकर जमा नहीं करने पर मतदाता सूची से नाम काट दिया जाएगा। प्रशासन ने मतदाताओं से अपील की है कि तत्काल बीएलओ से संपर्क कर प्रक्रिया को पूरा कराएं। जिले के सात विधानसभा क्षेत्र में कुल 2510596 मतदाता हैं। इसके लिए सात एसडीएम, 17 बीडीओ समेत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं समेत अन्य कर्मचारियों को लगाया गया है। डीएम मंगला प्रसाद सिंह प्रतिदिन इसकी समीक्षा कर रहे हैं। बीएलओ दो प्रतियों में मतदाताओं को फॉर्म दे रहे हैं। यह फॉर्म चार दिसंबर तक भरकर मतदाताओं को बीएलओ के पास जमा करना है। फॉर्म में नाम, पता, माता-पिता का नाम, मोबाइल नंबर, आधार नंबर और ईपीआईसी संख्या भरना है। एडीएम वित्त एवं राजस्व अनिल कुमार ने बताया कि एसआईआर के तहत बांटे जा रहे फॉर्म में सभी महत्वपूर्ण कॉलम साफ शब्दों में भरना है। गणना पत्रक में सबसे ऊपर मतदाता का नाम, ईपीआईसी संख्या व पता छपा है। उसके नीचे सबसे पहले मतदाता को अपनी जन्मतिथि, आधार संख्या, माता-पिता या अभिभावक का नाम भरना है। मतदाता विवाहित है तो पति या पत्नी का नाम भी भरना होगा। 2003 की मतदाता सूची में वोटर का नाम नहीं है और वर्तमान सूची में उसका नाम है तो वह भी गणना प्रपत्र भरकर हस्ताक्षर करके बीएलओ के पास जमा कर सकता है। 2003 की सूची में माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी यदि वोटर रहे होंगे तो उनके नाम से मैपिंग की जाएगी।

गोरखपुर समाचार

सड़क किनारे झाड़ियों में अधेड़ का शव पड़ा मिला

गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र के डेहरा गांव के पास बुधवार सुबह आठ बजे सड़क किनारे झाड़ियों में अधेड़ का शव पड़ा मिला। पहचान बेलीपार थाना क्षेत्र के सेवई निवासी रामकृपाल पाल (55) के रूप में हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। रामकृपाल पटीदार की बेटी की शादी में मामापार गांव जाने के लिए घर से निकले थे। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। बुधवार सुबह करीब आठ बजे ग्रामीणों ने झाड़ियों में शव देखकर सूचना तुरंत गीडा थाना पुलिस को दी। मौके पर थाना प्रभारी अश्वनी पांडेय टीम के साथ पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। शव की पहचान होने के बाद मृतक के परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने बताया कि रामकृपाल बीते रविवार को शाम करीब छह बजे वे गीडा थाना क्षेत्र के मामापार गांव में रह रहे अपने पटीदार राजाराम पाल की बेटी की शादी में शामिल होने निकले थे। लेकिन न वे विवाह समारोह में पहुंचे और न ही देर रात घर लौटे। चार दिनों तक उनका कोई सुराग नहीं मिला। परिजन लगातार उनकी खोज करते रहे, मोबाइल फोन भी बंद होने से चिंता और बढ़ गई। बुधवार सुबह शव मिलने की खबर से परिवार की उम्मीदें टूट गईं।

इस संबंध में गीडा थाना थाना प्रभारी अश्वनी पांडेय ने बताया कि मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल घटनास्थल के आसपास के क्षेत्र की छानबीन की जा रही है, ग्रामीणों से पूछताछ भी जारी है। पुलिस टीम यह भी पता लगाने में जुटी है कि मृतक अंतिम बार कहां और किसके साथ देखे गए थे। सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। मृतक के तीन बेटे रामआशीष पाल, रामसिंह पाल और जयसिंह पाल हैं। बेटों ने आशंका जताई कि किसी ने उनके पिता की हत्या कर शव झाड़ियों में फेंक दिया है, ताकि मामला दुर्घटना की तरह लगे। उन्होंने पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष जांच की गुहार लगाई है। परिवार ने यह भी जानकारी दी कि रामकृपाल वर्ष 2020 में ग्राम प्रधानी का चुनाव लड़ चुके है, जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। पुलिस इस एंगल की भी जांच कर रही है कि क्या किसी रंजिश के चलते वारदात को अंजाम दिया गया।

लाइफ मंत्र

मोक्षदा एकादशी की कथा सुनने से पूर्वजों को मिलता है नरक से छुटकारा

मोक्षदा एकादशी, जिसे पापों की विनाशक और मोक्ष प्रदान करने वाली एकादशी माना गया है, इस वर्ष 1 दिसंबर 2025, सोमवार को मनाई जाएगी। हिंदू धर्म के अनुसार, इस एकादशी का व्रत करने से ही नहीं, बल्कि इसकी कथा पढ़ने और सुनाने भर से भी अत्यंत पुण्य प्राप्त होता है। मान्यता है कि इस व्रत के प्रभाव से नरक में दुख झेल रहे पूर्वजों को भी मुक्ति मिल जाती है।

मोक्षदा एकादशी का महत्व

शास्त्रों में कहा गया है कि मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी स्वयं श्रीहरि विष्णु को अत्यंत

प्रिय है। यह एकादशी विशेष रूप से पितृ मोक्ष दायिनी है। व्रत करने वाला व्यक्ति जन्म-जन्मांतर के पापों से मुक्त होकर आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त करता है। कथा सुनना, हरि नाम संकीर्तन करना और दान देना अत्यंत शुभ माना गया है।

मोक्षदा एकादशी व्रत कथा

प्राचीन काल में गोकुलपुरी में वैखानस नामक एक धर्मपरायण राजा राज्य करते थे। राजा अपने प्रजा के कल्याण में ही लगे रहते थे पर एक रात उन्हें एक अत्यंत भयावह सपना आया। उन्होंने देखा कि उनके पिता भयंकर नरक यंत्रणाएं सह रहे हैं और दुख से तड़प रहे हैं। सपना इतना वास्तविक लगा कि राजा चिंता और व्याकुलता में भर गए। सुबह होते ही उन्होंने अपने राज्य के विद्वान ब्राह्मणों को बुलाया और पूछा, 'मेरे पिता ऐसी दशा में क्यों हैं और उनकी मुक्ति कैसे संभव है?'

विद्वानों ने कहा कि इस प्रश्न का उत्तर केवल भूत-भविष्य के ज्ञाता, पर्वत महर्षि ही दे सकते हैं। राजा तुरंत पर्वत महात्मा के आश्रम पहुंच गए और विनम्रतापूर्वक पिता की स्थिति बताते हुए मार्गदर्शन की प्रार्थना की।महर्षि ने ध्यान लगाकर कहा, 'राजन! आपके पिता ने अपने पूर्व जन्मों में एक गंभीर पाप किया था, उसी का प्रायश्चित वे नरक में कर रहे हैं।'

राजा दुखी होकर बोले, 'गुरुदेव, कृपा कर बताइए मैं उन्हें मुक्ति कैसे दिला सकता हूं?'

तब महर्षि ने कहा, 'मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष की जो एकादशी आती है, उसे मोक्षदा एकादशी कहा जाता है। आप इस एकादशी का विधिपूर्वक व्रत करें, भगवान विष्णु का स्मरण करें। इस व्रत के प्रभाव से आपके पिता को नरक से मुक्ति मिल जाएगी।' राजा वैखानस ने पूरे विधि-विधान से व्रत किया। उनकी तपस्या, भक्ति और एकादशी के पुण्य से उनके पिता नरक से मुक्त हुए और दिव्य रूप धारण कर स्वर्गलोक की ओर प्रस्थान करते हुए बोले, 'पुत्र! तुम्हारा कल्याण हो। तुम्हारी भक्ति ने मुझे मोक्ष दिलाया है।'

गृहणियों का गणित

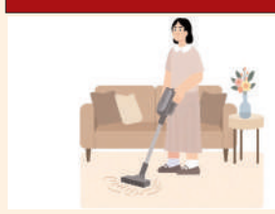

एक बार घर में बड़ा धार्मिक अनुष्ठान ('पूजा' नहीं,बल्कि 'घर की साख' का प्रदर्शन) तय हुआ। रिश्तेदार ऐसे आने वाले थे, मानो किसी सरकारी जाँच कमेटी का दौरा हो। तीन दिन पहले ही त्रासदी हो गई। श्री रामनाथ जी (शान्ता देवी के पति) की कमर ने अचानक 'हड़ताल' कर दी। वे पलंग से ऐसे चिपक गए, जैसे किसी सरकारी फ़ाइल से अधिकारी। शान्ता देवी के घर में दो 'कार्यशील महिलाएं' थीं—बहू 'रागिनी' और बेटी 'माधवी'। दोनों ही गृहणी। पर शान्ता देवी के मन के खाते-बही (लेखा-जोखा) में दोनों का मूल्य कभी बराबर नहीं हुआ। रागिनी, जो चौबीस घंटे घर की 'सरकारी मशीनरी' थी, उसका काम 'आवश्यक' श्रेणी में आता था। वह अन्नपूर्णा, सफाईकर्मी, नर्स और मैनेजर की भूमिका एक साथ निभाती थी। सुबह पाँच बजे उठकर वह घर के पहियों में तेल डालती थी, ताकि जीवन की 'रेलगाड़ी' पटरी से न उतरे। वहीं, माधवी, जो पास के शहर में अपने ससुराल में थी, उसका आना-जाना किसी 'विशेष अतिथि' के आगमन जैसा था। शान्ता देवी का मन कहता थाः 'रागिनी तो 'कम्पलसरी आइटम' है, जिसके बिना दाल में नमक नहीं पड़ सकता। और माधवी? वह तो 'शो पीस' है, जिससे बाहर वाले खुश होते हैं।' यह मूल्य-निर्धारण बड़ा ही वैज्ञानिक थाः जो महिला पास है और निरंतर सेवा में है, वह केवल 'ज़रूरत' है। जो दूर है और कभी-कभी आती है, वह 'प्यार' है। पास वाली मशीन है, दूर वाली भावना। यह भ्रम हर भारतीय घर में गहरी जड़ें जमा चुका है, जहाँ 'उपलब्धता' ही महिला के मूल्य को घटा देती है। एक बार घर में बड़ा धार्मिक अनुष्ठान ('पूजा' नहीं, बल्कि घर की साख' का प्रदर्शन) तय हुआ। रिश्तेदार ऐसे आने वाले थे, मानो किसी सरकारी जाँच कमेटी का दौरा हो। तीन दिन पहले ही त्रासदी हो गई। श्री रामनाथ जी (शान्ता देवी के पति) की कमर ने अचानक 'हड़ताल' कर दी। वे पलंग से ऐसे चिपक गए, जैसे किसी सरकारी फ़ाइल से अधिकारी। अब पूजा की तैयारी कौन देखेगा? रिश्तेदारों की 'आव-भगत' का प्रबंधन कौन करेगा? शान्ता देवी के होश उड़ गए। उन्होंने तुरंत महसूस किया कि उनकी घरेलू प्रबंधन प्रणाली ध्वस्त हो गई है। ऐसे में रागिनी आगे आई। बिना किसी नाटक या शिकायत के, उसने 'अराजकता-नियंत्रण अधिकारी' का पद संभाल लिया। वह सुबह-सुबह पंद्रह लोगों का भोजन, ससुर जी को समय पर दवा, घर की सजावट—सब संभाल रही थी। वह घर की धुरी बन गई थी। अगर धुरी टूटती, तो पूरा घर 'गोल-गोल' घूमकर गिर जाता। उसका काम अदृश्य था, पर अनिवार्य। वह पंद्रह मिनट लेट होती, तो रामनाथ जी की दवा छूटती। वह एक दिन रुकती, तो पूरा घर भूखा सोता। उसकी मेहनत का कोई हिसाब नहीं था, क्योंकि गृहणी की मेहनत को 'प्रेम' नामक सरकारी सब्सिडी में डालकर शून्य कर दिया जाता है। इसी बीच, दूसरा संकट आया—सामाजिक दबाव। दूर की एक बुआ जी का फोन आया। उनका आदेश था कि उन्हें 'खास पारंपरिक व्यंजन' चाहिए, जो केवल शान्ता देवी को बनाना आता था। शान्ता देवी बीमार पति के पास थीं, रसोई में जा नहीं सकती थीं। अब रिश्तेदार नाराज़ होंगे! परंपरा टूटेगी! और बुआ जी की नाराज़गी का मतलब था, पूरे खानदान में 'मुसीबत' का वायरस फैलना! शान्ता देवी भावनात्मक दिवालियेपन के कगार पर थीं। तभी, माधवी (बेटी) आई। उसने रसोई में हाथ-पैर नहीं मारे (क्योंकि रसोई उसका 'विभाग' नहीं था, वह तो रागिनी का 'स्थायी कार्यालय' था)। माधवी ने माँ को हिम्मत दी, और सीधे 'कूटनीति' पर उतर आई। उसने फोन उठाया और बुआ जी से ऐसे बात की, मानो वह अंतर्राष्ट्रीय संधि करा रही हो। उसने बुआ जी को विश्वास दिलाया कि व्यंजन न बनने का कारण 'प्रेम' की कमी नहीं, बल्कि 'स्वास्थ्य' का संकट है। बुआ जी का गुस्सा शांत हुआ। माधवी ने केवल फ़ोन पर बात नहीं की, उसने रिश्तों के टूटे तारों को जोड़ा, माँ के मन का बोझ हल्का किया।

ईएमआई पर लोकतंत्र [व्यंग्य]

मिसिरबाबू, आपको एक बार फिर लख-लख बधाइयाँ! आप उस राष्ट्रीय सर्कस से बच निकले हैं जिसका नाम है 'बिहार विधानसभा सत्र'। मुबारक हो कि आप अभी भी अपने विवेक की सीट पर सुरक्षित हैं, न कि 'ज़ोरदार नारेबाज़ी' की भगदड़ में वेल ऑफ़ द हाउस के मुँहाने पर खड़े हैं। जहाँ हज़ारों लोग 'जनता के मुद्दे' भूलकर एक-दूसरे पर 'व्यक्तिगत वार' करने की ईएमआई बाँध चुके हैं, वहाँ आप मौन होकर लोकतंत्र की इज्ज़त बचा रहे हैं। क्या बेहतरीन क़िस्मत और क्या मज़बूत आत्म-संयम! आप उस 'सदन के शोर-शराबे' में कुचले नहीं गए, जहाँ देशभक्ति का सर्टिफ़िकेट अब आपके चीखने की क्षमता से तय हो रहा है। बड़ी बात है। निज़ाम ने 'विकास' और 'विवाद' का ऐसा कॉकटेल बनाया, और टीवी चैनलों ने आपकी आवाज़ दबाकर 'सत्ता बनाम विपक्ष' का ड्रामा बेचने के सौ तरीक़े ईजाद किए, फिर भी आपकी 'शालीनता की पूंजी' सुरक्षित है! आजकल की विधानसभाओं में एक नया ट्रेंड चल पड़ा है, मिसिरबाबू। सदन में 'जनता की सेवा' कम होती है, मगर 'भावनात्मक ड्रामा' और 'पारिवारिक कलह' का सीधा प्रसारण ज़्यादा होता है। बिहार चुनाव के बाद हमने देखाः नेताजी की बेटी ने ट्विटर पर राजनीतिक 'संन्यास' की घोषणा कर दी! यह किसी गंभीर नीतिगत मतभेद के

> **चुनाव होते ही सबसे पहला काम क्या होता है, मिसिरबाबू? हार स्वीकारना? नहीं! नया ट्रेंड हैः 'ईवीएम और वोट-चोरी' का रोना। बिहार चुनाव में विपक्ष ने 200 से अधिक सीटें हारने के बाद भी यही किया। उनका तर्क है कि हमारी रैलियों में भीड़ थी, हमारी जनसभाओं में हुजूम था, तो फिर यह हार हुई कैसे?**

कारण नहीं, बल्कि 'अपनों' द्वारा दरकिनार किए जाने के दुःख में था। यह संन्यास नहीं, बल्कि एक 'डिजिटल धमकी' है। सोचिए, एक विधायक (जो अभी तक विधायक नहीं बना) की कुर्सी छोड़ने की खब़र, किसान के क़र्ज़ माफ़ी की खब़र से ज़्यादा टीआरपी बटोर रही है। अब विधानसभा, लोकतंत्र का मंदिर कम और एक बड़ा 'पारिवारिक रियालिटी शो' ज़्यादा बन गई है। बाहर जनता को सड़क, पानी, बिजली चाहिए, और अंदर नेताजी के घर की लड़ाई को संसद-टीवी पर 'ब्रेकिंग न्यूज़' बना दिया जाता है! चुनाव होते ही सबसे पहला काम क्या होता है, मिसिरबाबू? हार स्वीकारना? नहीं! नया ट्रेंड हैः 'ईवीएम और वोट-चोरी' का रोना। बिहार चुनाव में विपक्ष ने 200 से अधिक सीटें हारने के बाद भी यही किया। उनका तर्क है कि हमारी रैलियों में भीड़ थी, हमारी जनसभाओं में हुजूम था, तो फिर यह हार हुई कैसे? ज़रूर यह 'तकनीकी गड़बड़ी' है! यह 'वोट-चोरी' नहीं, बल्कि 'जनता-विरोधी निर्णय' को स्वीकारने का साहस न होना है। नेताजी यह नहीं कहेंगे कि हमारा नेतृत्व कमज़ोर था, हमारा चेहरा फीका पड़ गया। वे सीधे कहेंगेः निज़ाम ने 'सीक्रेट इन्फ़ोर्मेंट' (SIR) का इस्तेमाल करके यादव और मुस्लिम समुदायों के वोट हटा दिए हैं! यह चुनावी राजनीति नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक युद्ध' है, जहाँ आप हार को पचा नहीं पाते, तो उस पर 'डिजिटल हैकिंग' का आरोप लगा देते हैं। वोट से ठीक पहले सीधे आपके खाते में 'सरकारी मेहरबानी' ट्रांसफर करवाना। सरकार इसे 'कल्याणकारी योजना' कहती है, पर यह सीधे-सीधे 'वोट खरीदो, पुण्य कमाओ' की स्कीम है। अब विधानसभा में यह सवाल नहीं पूछा जाता कि स्कूल क्यों नहीं बना? सवाल यह होता है कि 'मेरी सरकार ने तुम्हें कितना दिया?' यह राजनीति नहीं, एक 'थोक उपभोक्तावाद' है, जहाँ नागरिक 'वोटर' नहीं, बल्कि 'ग्राहक' बन जाता है, जो अगले कैश-बैक ऑफर का इंतज़ार करता है। और आप जैसे विवेक वाले लोग बस 'नोटा' का बटन दबाकर अपना आत्म-सम्मान बचाते हैं। बिहार के चुनावी नतीजों के बाद भी अजीबोगरीब सस्पेंस जारी है। गठबंधन ने प्रचंड जीत हासिल कर ली, मगर मुख्यमंत्री कौन बनेगा, इस पर दिल्ली-पटना में खींचतान चलती रहती है। एक नेता दूसरे नेता को 'सबसे बड़े नेता' का टैग देता है, मगर मन ही मन दोनों जानते हैं कि यह कुर्सी 'शतरंज की बिसात' पर रखी है। यह जनता के लिए नहीं, बल्कि 'आंतरिक सौदेबाजी' के लिए है। एक तरफ 'जंगलराज' को नकारने की बड़ी-बड़ी बातें होती हैं, दूसरी तरफ 'सबसे ज़्यादा आपराधिक रिकॉर्ड वाले विधायक' चुनकर विधानसभा में पहुँच जाते हैं। यह दिखाता है कि हमारी विधानसभाएँ 'आदर्शों' से नहीं, बल्कि 'आंकड़ों' और 'आपराधिक दबदबे' से चलती हैं। मिसिरबाबू, अपनी सीट पर आप जितना शांत बैठे रहेंगे, उतनी ही तेज़ी से आप 'डिजिटल विस्मृति' की ओर बढ़ेंगे। आपका विवेक आपको संसद-कूप में कूदने से बचा रहा है, मगर क्या यह आपकी राजनीतिक ज़िंदगी बचा पाएगा?

ईएमआई का जाल भी यहीं है, सोशल प्रेशर भी, ट्रोल करने वाली फ़ौज भी यहीं है, और 'चिल्लाने वाली ब्रिगेड' की अगली भर्ती भी जल्द शुरू होगी। उसका 'राजनीतिक बुलडोज़र' भी यहीं है। एक दिन सिस्टम आपकी सादगी, आपके विवेक की बलि तो लेकर रहेगा। हो सकता है कल को 'विधानसभा में कूदने के लिए न्यूनतम टीआरपी रेटिंग' का क़ानून आ जाए। तब तक के लिए, जब तक आप एक शांत और भरोसेमंद दर्शक बने हैं, कांग्रेचुलेशन्स मिसिरबाबू!

हर साल होने वाली छुट्टियां

हमारे यहां उन लोगों की सामाजिक रेटिंग भी कम रहती है जिनके परिवार से एक भी व्यक्ति सरकारी नौकरी में नहीं है। ऐसे लोग भी हैं जो यह आवाज़ उठाते रहते हैं कि सरकारी नौकरी में एक परिवार से एक ही बंदा होना चाहिए। वैसे ऐसी बातों को मानवाधिकारों का हनन माना जाता है।

हर साल की तरह अगले साल का स्वागत करने के विज्ञापनों ने लुभाना और पटाना शुरू कर दिया है। होटल में शानदार पार्टियों की बुकिंग की बातें योजनाएं पकनी शुरू हो चुकी हैं। अगले साल होने वाली छुट्टियों में घूमने की तन मन और धन चाही योजनाएं समझाई जा रही है। पति पत्नी दोनों सरकारी नौकरी में हों तो सोना ही सोना। पति की पोस्टिंग शहर के आस पास हो और पत्नी की पोस्टिंग घर के अडोस पड़ोस में ही हो तो मानव जीवन सफल हो जाता है। पोस्टिंग का प्रबंधन भी धन और मेहनत के मिलन से हो जाता है। क्या बात है जी, सरकारी नौकरी की। सरकार सभी को सरकारी नौकरी में ले ले तो हर वोट पक्की। हमारे यहां उन लोगों की सामाजिक रेटिंग भी कम रहती है जिनके परिवार से एक भी व्यक्ति सरकारी नौकरी में नहीं है। ऐसे लोग भी हैं जो यह आवाज़ उठाते रहते हैं कि सरकारी नौकरी में एक परिवार से एक ही बंदा होना चाहिए। वैसे ऐसी बातों को मानवाधिकारों का हनन माना जाता है। सरकारी नौकरी करने वाले तो अपने बच्चों को भी ऐसी कोचिंग देते हैं कि वे किसी तरह सरकारी नौकरी में आ जाएं। निजीकरण के ज़माने में भी सरकारी नौकरी की चाहत कम नहीं होती जी। छुट्टियों का खज़ाना जमा हो जाता है। वह बात दीगर है कि प्राइवेट सेक्टर में नौकरी करने वालों को वास्तव में छुट्टी की कीमत का पता होता है।

कई बार अगले साल होने वाली छुट्टियों की लिस्ट ज़िंदगी में बहार की तरह आती है लेकिन रविवार को घोषित छुट्टियां मज़ा किरकिरा कर देती हैं। अगर यही अवकाश दूसरे वार को हों तो सुखदायक होता है। अगले साल देश का अंतर्राष्ट्रीय त्योहार दिवाली, रविवार को है। यदि धार्मिक वैज्ञानिकों ने चाहा तो यह त्योहार दो दिन भी मनाया जा सकता है। कई बार वैकल्पिक अवकाश भी रविवार को आते रहे हैं। यह परेशान करने वाली बात मानी जाती है। यह ठीक है कि कुछ छुट्टियां शुक्रवार या शनिवार को भी होती हैं जिनके साथ एक छुट्टी लेकर कई छुट्टियां एक साथ हो सकती हैं। कई त्योहारों या जन्मदिन का अवकाश शनिवार या सोमवार को रहता है तो कितना सौम्य और आरामदायक लगता है।

अगर कोई छुट्टी दूसरे शनिवार को घोषित हो जाए तो इस बात की तारीफ़ नहीं की जाती क्योंकि उस दिन पहले ही अवकाश होता है। दिलचस्प यह है कि अगले बरस हमेशा की तरह सिर्फ तीन राष्ट्रीय अवकाश होंगे धार्मिक और सांस्कृतिक छुट्टियां उन्नीस हैं। एक राज्य में तो पूरी तीस छुट्टियां हैं। काफी समझदार लोगों का कहना है कि चाहे कोई त्योहार या दिवस दूसरे शनिवार या रविवार को पड़ रहा हो उसकी सरकारी छुट्टी किसी और वार को कर देनी चाहिए जिस वार को पहले से छुट्टी न हो। सरकार इतने काम मनमाने तरीके से करती है। सुबह से शाम तक खूब काम करने वाले कर्मचारियों को मिलने वाली छुट्टियां ही उचित तरीके से नहीं करती। कुछ छुट्टियों का दिन बदल दे तो वोट बैंक ही बढेगा। इस तरह सरकारी राजनीतिक पार्टी, काफी वोटें आने वाले चुनाव के लिए अपने पक्ष में सुनिश्चित कर सकती है। आने वाले सालों में होने वाली छुट्टियों का मज़ा कई गुना हो ही सकता है।

होम फैशन
रथयात्रा, वाराणसी
8573035762

मेडिकल डायरेक्ट्री

बच्चों के डॉक्टर
मिनहाज चाइल्ड केयर
Dr. Minhaz Husain
MBBS, MD (Child Specialist)
पूर्व वरिष्ठ नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ (IMS-BHU)
www.minhazchildclinic.com
19A lane no 1, Ravindrapuri colony, Varanasi, UP - 221005
Mob.- 6387438255 / 8058811141

गुप्त रोग विशेषज्ञ
गुप्त रोग, ताकत जवानी
सर्वश्रेष्ठ आयुर्वेदिक क्लिनिक
राना डिस्पेन्सरी
डॉ. राना
Govt Regd. Estd, 1948
नि:संतान, धात रोग, स्वप्नदोष, नामर्दी, कमजोरी इत्यादि
60 वर्षीय अनुभवी से मिलकर लाभ उठायें
पता: टकसाल सिनेमा के सामने (नियर ताज होटल) नदेसर, वाराणसी
समय प्रातः 9 से रात्रि 8 बजे तक रविवार 9 से 1 बजे तक
Mob.: 6386935615, 7388779172

नाक, कान और गला रोग विशेषज्ञ
काशी ई.एन.टी. सेंटर
कान, नाक और गला रोग विशेषज्ञ
डॉ. अमरेन्द्र सिंह M.B.B.S., M.S. (ENT) Mumbai Fellow - Skull Base Surgery (Italy)
सिद्धिगिरीबाग (यूनियन बैंक के सामने) सिगरा, वाराणसी
Mob.: 7052111138, 7052111139, 0542-2411138

लिवर रोग विशेषज्ञ
समर्पण गैस्ट्रो एवं लिवर क्लिनिक
इलाज एवं सुविधाएंः पेट में दर्द, उल्टी, गैस्ट्रिक अल्सर,खूनी उल्टी, कब्ज, मल में रक्त, रक्तस्रावी, आईबीएस, आईबीडी, हेपेटाइटिस, पीलिया, लिवर सिरोसिस, लिवर एब्सेस, गैल स्टोन उपचार, अल्सर, आमाशय में छाला, अन्दरूनी रक्तस्राव और एंडोस्कोपी व कोलोनोस्कोपी।
परामर्श समयः 08:30 से 04:00 बजे तक
डॉ. शेखर पूरी
MBBS, MD (IMS-BHU) DM (GASTRO.) SMS Jaipur
माहेश्वरी भवन के पास तुलसीपुर, महमूरगंज वाराणसी। मो. 9587794338

यूरोलॉजी विशेषज्ञ
ओंकार यूरोलॉजी सेन्टर एण्ड हॉस्पिटल
Dr. Amit Kumar
MS.FICS M.ch (Urology)
CONSULTANT UROLOGIST
डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
OPD Time 12 Pm to 2 Pm
Mob: 8957650464
डी.63/13ए-5 अन्नपूर्णा कालोनी महमूरगंज, वाराणसी (नियर पासपोर्ट ऑफिस)

मानसिक रोग विशेषज्ञ
तनाव, अवसाद, घबराहट, बेचैनी,OCD याददाश्त कमजोर होना, स्किजोफ्रेनिया, बाइपोलर, गुस्सा, नींद की परेशानी, सिर दर्द, नशा करना, बच्चों और बड़ो की व्यवहारिक समस्याएं, आत्महत्या का विचार आना, माइग्रेन, न्यूरेल्जिया, सर्वाइकल, हाथ-पांव में झनझनाहट व मिर्गी जैसे अन्य मानसिक रोगों का इलाज उपलब्ध।
रवि न्यूरो सायकेट्री सेंटर (मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल)
लेन नं.-16 रविन्द्रपुरी, वाराणसी मो. 8756837310/ 7880893030
डॉ. श्रेयांस द्विवेदी
मानसिक रोग विशेषज्ञ
MBBS,DPM, MD
Neuropsychiatrist

हड्डी रोग विशेषज्ञ
डा. अनुपम श्रीवास्तव
डा. आरती दिव्या
X-ray in 250 Only
Fee Rs 250 Only
वात्सल्य हॉस्पिटल
जाइंट रिप्लेसमेंट, ट्रामा, आर्थ्रोस्कोपी (लिगामेंट सर्जरी) एवं स्पाइन सर्जरी
सिकरौल, वाराणसी। MOB.-9415227170

कार्ड एवं स्टेशनरी
शादी के कार्ड
2026 डायरी, कैलेन्डर
खत्री स्टेशनर्स
साईं मंदिर के सामने, रामलीला मैदान के पास नदेसर, वाराणसी
मो.9335478047,9140457358

लेडिज सूट शॉप
Designer Salwar Suit Lancha Dress Materials
Shahnaz
GURUBAG, VARANASI PH 2390017

आल टाइप गारमेंट्स शॉप
NEW GENERATION
Exclusive Wear House
Yadav katra, Dashashwamedh, vns. Ph. 2451389

मेडिकल शॉप
DIABETIC CARE POINT
Retailer Of All Kinds Of Medicines
C. 14/175-2, Amar Nagar, Sonia Road, Varanasi.
Varanasi- 945048570, 9936153614
Bharat Medicals

ज्योतिष एवं रत्न विशेषज्ञ
पहले देखे चमत्कार फिर दिल से करे नमस्कार
डॉ अनूप कुमार जायसवाल
Indians No.1 Astrologer
Lokhandwala Branch
9324652370
Bandra Branch
8108888280
HEAD OFF.: SHOP No.2, Shastri Nagar Complex, Sigra, Varanasi-221010